स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत शपथ (Swachhta Pledge) Pledge

शपथ पढ़िये | Read Pledge

स्वच्छ भारत शपथ

- महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।
- महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर भारत माता को आजाद कराया।
- अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करे।
- मैं शपथ लेता / लेती हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा / रहूंगी और उसके लिए समय दूंगा / दूंगी।
- हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा / करुँगी।
- मैं न गंदगी करूंगा / करुँगी न किसी और को करने दूंगा / दूंगी ।
- सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्य स्थल से शुरूआत करूंगा / करुँगी ।
- मैं यह मानता / मानती हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं, उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और ना ही होने देते हैं।
- मैं आज जो शपथ ले रहा / रही हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा / करवाऊंगी कि वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा / करुँगी।
- इस विचार के साथ में गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा / करुँगी।
- मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।